Live in the Spirit

सीड़ फॉर लिविंग

ब्रदर मैन्युएल मिनिस्ट्रिज मासिक प्रकाशन अप्रैल २०१५

आशिर्वादित होना चाहते हो ?

तो परमेश्वर पर भरोसा करो और विश्राम करो।

'अभिषेक' इस शब्द का अर्थ है उड़ेलना। गहरी नींद के स्थिति में ही सिद्ध अभिषेक प्राप्त होता है। नहीं तो इस प्रकार का अभिषेक पाना संभव नहीं क्योंकि आम तौर पर मनुष्य बहुत ही बेचैन होता है। जब एक आदमी गहराई और सिद्धता से प्रभू में विश्राम करता है, तब वे उसके अंदर से उन सारी अनावश्यक चिजों को निकालकर उसकी जगह आवश्यक चीजों से भर देते है, जो होनी चाहिए। परमेश्वरने आदम के लिए भी ऐसा ही किया। यहोवा परमेश्वरने उसे गहरी नींद में डाला, फिर उसकी एक पसली निकाली और उसकी जगह मांस भर दिया, और उस पसली से हव्वा को बनाया और आदम के पास ले आये।

ध्यान देनेवाली योग्य बात यह है, कि पवित्र शास्त्र कहीं भी यह नहीं कहता है, कि एक योग्य सहायक या पत्नी पाने के लिए आदम को परमेश्वर से बिनती करनी पड़ी। परमेश्वरने स्वयं फैसला किया कि आदम अब तैयार है और हव्वा को उसके पास ले आए। आपके लिए भी वे ऐसा ही कर सकते है।

जब परमेश्वर फैसला करते है, कि आप शादी लायक हो गए हो, तब वे उस व्यक्ति को आपके पास लाऐंगे जिसे उन्होंने आपके लिए चुना है। लेकिन अगर आप शादी के लायक नहीं हो, तो वे तब तक आप पर काम करेंगे जब तक आप वैसे नहीं बनते जैसे आपको होना चाहिए। असल में, शादी के बाद भी परमेश्वर हमे सिद्ध करने का काम जारी रखते है। वे आपको तब तक आकार में ढ़ालेंगे जब तक आप उस अंतिम पुरस्कार को पाने के योग्य नहीं बनते – पुरस्कार जो है, स्वर्ग में उनकी उपस्थिति में प्रवेश करना।

खुद के लिए पत्नी रचने में आदम का क्या योगदान था? एक पसली। ना इससे कुछ ज्यादा, ना इससे कुछ कम। परमेश्वर आपके अंदर से ठीक वो चीज निकाल लेंगे जो उन्हें चाहिए ताकि आपको वो दे सके जिसके लायक आप हो।

अगर आप स्त्री हो और शादी के लिए रुकी हो, तो धीरज रखो और निराश न हो। हो सकता है आप सारे दिल से परमेश्वर की सेवा कर रहे हो और एक अमुख उम्र की ओर बढ़ रहे हो। आप शायद अपने चहरे पर बनावटी मुसकान रखते हो, लेकिन आपके दिल की गहराई में बहुत से सवाल है: मेरा समय कब आएगा, प्रभू? मेरा आदम कब जागेगा और मुझे ढूढेंगा?

इस बात की हकिकत यह है, कि आपको केवल पुरुष के लिए बनाया नहीं गया है, बल्कि हर उस मकसद के लिए जिसके लिए परमेश्वरने आपको रचा है। उत्पत्ति २ हमसे कहती है, कि हव्वाने आदम को खोजने के लिए कुछ भी नहीं किया। उसे प्रभावित करने के लिए उसे सजना नहीं पड़ा, ना उसका ध्यान आकर्षित करने के लिए कोई खेल खेलना पड़ा, और ना ही कुछ और। परमेश्वरने उसे गुप्त में तैयार किया, और जब वह पूरी तरह से तैयार हो गयी, तब परमेश्वर उसे आदम के पास ले आये।

और अनुमान लगाओ क्या? आदमने उसे पहचान लिया! उसे हव्वा, बकरी या घोडे के बीच कोई उलझन नहीं थी। जिस क्षण उसने उसे देखा, वह अपने दिल में जानता था, कि वो उसकी पत्नी है। तो हमेशा ऐसे लोगों से दूर रहो जो इस उलझन में रहता है, कि उन्हें किसके साथ रहना है। आप कोई विकल्प नहीं हो। जब आप तैयार हो जाओगी, आपका आदम तुरंत आपको पहचान लेगा और कदम उठाएगा क्योंकि वो आपकी कीमत जानता है। वह ऐसा कुछ नहीं करेगा जिससे आपका रिश्ता बिगड़ जाए क्योंकि वह आपको खोना नहीं चाहेगा।

यदि आप पुरुष हो, तो याद रखो, यह सब केलव आदम के सहयोग की वजह से ही मुमकिन हुआ। परमेश्वर उस व्यक्ति के लिए उन सारे रिक्त स्थानों को भरने और खाली जगह में ब्रिज बनने के लिए तैयार है जो उनपर भरोसा करता है, और परेशान होना बंद करके उनमें विश्राम करता है। एक बार अगर हम यह करते हैं, तो परमेश्वर हमारी पुरानी आदतों को बदल कर नयी आदतें डालते है। वे हमारे अंदर एक नया दिल और एक नया मन रचते है। पीछे मुडकर देखे, तो हर एक समय, हर एक कदम पर परमेश्वर हम सभी को हमारे भाग्य के लिए तैयार करते है!

–ब्रदर मैन्युएल मेरगुल्याओं

डायरी एक मंझले की

माँ और पिताजी के बारे में

हेय! आशा करती हूँ, कि पिछला महीना आपके लिए भी उतना ही रोमांचक रहा होगा जितना मेरे लिए था!!!

अब तक मेरे जीवन की यात्रा एक रोलर कॉस्टर के समान थी... और अब इस पल, मै अचंबित हूँ, कि कैसे इसका असर मुझपर और मेरे परिवार पर हुआ।

हम सुनते है, कि बहुत से बुजुर्ग केवल एक ही विचार पर मनन करते रहते है: **"किसी भी मनुष्य के लिए जीवन की सबसे कठिन चुनौतियों में से एक है, कि आप कैसे सही माता पिता हो सकते हो?? "**

खैर, मेरे प्यारे बुजुर्गों, मै इससे सहमत नहीं हूँ। यह मै अपने अनेक मित्रों की ओर से आपसे बोल रही हूँ: **"किसी भी मनुष्य के लिए जीवन की सबसे कठिन चुनौतियों में से एक चुनौति यह है, कि आप कैसे सही बेटा और बेटी हो सकते हो?? "** निश्चित ही हम उनकी परवाह करते है, लेकिन परमेश्वर के इस अनमोल उपहार को, हम कैसे संभालते है – हमारे माता पिता – जब उनके अनेक डर और सुरक्षा, हमारे विकास के बीच आते है... और विकास से मेरा मतलब है दोनो आत्मिक और निजी विकास...

इस धरती पर, हमारे माता पिता को हमारा शारीरिक रक्षक नियुक्त किया गया है, लेकिन जैसे हम समझदार होते है और किशोरअवस्था से बालिग हो जाते है, तब हमारे माता पिता हम से कितना भी बुरा बरताव करें या मनमुटाव रखे, फिर भी हमें कैसे भी करके इन अनोखे लोगों से पक्की दोस्ती करनी है।

तुम उनके बारे में ऐसे सोचे, जैसे यह तुम भविष्य में हो... डरावना है, बराबर? कम से कम मेरे लिए ...ऐसा ही है... क्योंकि जैसे जैसे हम बड़े होते है, वैसे वैसे हमारे माता पिता की छबी, ...जो हमारे लिए एक आर्दश थी... वह धीरे धीरे धुंधली पड़ती जाती है। लेकिन अब वे एक ऐसे व्यक्तित्व बन गए है, जिन्हें हम देखते है, न्याय करते है और सुधरते है... इसलिए, हम वास्तव में, उनके दोष और कमजोरियों को देखते है...

इससे मेरा कहने का मतलब है, उनकी बुरी आदतें जैसे धूम्रपान करना, शराब पीना, पीकर झगडना, शारीरिक शोषण, चालबाजी... खास तौर पर बड़े लोगों के यह मसले, जिनकी मासूमियत इस दुनिया के तरिकों से धीरे धीरे नष्ट हो गई है...

हेय!!! यहाँ मै यह नहीं बोल रही कि माता पिता बुरे है।
मैं केवल इतना बोल रही हूँ, कि आप उनकी खामियों पर
ध्यान देना बंद करो और उन्हें देखने का नजरिया बदलो!!

तो हम चून सकते है, विवेक से भरा एक फैसला कर सकते है... या तो हम प्रभावित हो जाए, या फिर फरक पैदा करें...

यह कोई लढ़ाई नहीं, और ना ही विद्रोह है। बात केवल इतनी है कि, क्यों परमेश्वरने उन्हें हमे दिया है... हम बच्चों को... जिनके पास अभी भी बचपन की ताजा यादें है, कि आखिर बचपन है क्या... मासूमियत, ईमानदारी, सच्चाई, सरलता, बुनियादी होना... ताकि हम हमारे माता पिता की आँखो में एक ईमानदारी के दर्पण से देख सके और यह जता सके कि हम उन्हें समझते है... और हम उन्हें सचमुच आदर की नजरों से देखते है, और मेरा अर्थ है, सचमुच उन्हें देखते है – कि वो कौन थे, वो कौन है, और वो कौन हो सकते है...

याद करो कैसे प्रभू येशूने अपने अनुभव से अपनी माँ की चिंतित आँखों में देखा और कहा,

४९ **"तुम मुझे क्यों ढूँढ़ते थे? क्या नहीं जानते थे कि मुझे अपने पिता के भवन में होना अवश्क है?"**

५० **परंतु जो बात उसने उनसे कही, उन्होंने नहीं समझा।**

५१ **तब वह उनके साथ नासरथ में गया और उनके प्रति आज्ञाकारी रहा।"** (लूका २:४९–५१)

इसलिए, इस बेकार की लढ़ाई और उद्देश्य हीन विद्रोह को रोको... क्योंकि तुम एक किशोर या किशोरी हो... हाँ!! तुम्हें भी कुछ समस्याँए होंगी... फिर भी, आओ... फरक पैदा करो... क्योंकि तुम अब कोई बच्चे नहीं रहे... तुम अब एक मंझले हो... और अगर अब नहीं, तो कब???

बबी.एम.एम. यूथ

परमेश्वर के वादों के जरिए रुपांतर - भाग ५

१०. मुक्ति का वादा

जो लोग दुष्ट आत्माओं से पीडित है, या सताए जाते है, और निरंतर अभिशाप में जीते है, उनके साथ हम कितनी सहानुभूति दिखाते है। कभी कभी यह बंधन बहुत मुकम्मल होता है, कि ऐसा लगता है, जैसे चाहे जो हो जाए लेकिन चमत्कार के अलावा और कोई आशा नजर नहीं आती।

इन समस्याओं के लिए जवाबः

–पापी आदतों से बंधे जीवन के लिए,

–उस बुराई के लिए जो लोगों को ऐसी रेत में डूबाती है, जिसमे वो डूबते ही जाते है,

–शैतान की रणनीतियों के लिए ताकि वह लोगों की आदतों में घुसना, उनके नैतिक चुनाव को प्रभावित करना और उनके जीवन को बंधनों में बांधना...

येशू, जो आज भी चमत्कार करने में सक्षम और तैयार है। और वे हर रोज हजारों चमत्कार करते है। लेकिन क्या यह आज की इस बहुतम जनसंख्या के बारे में कहा जा कसता हैः

"और उसने वहाँ उनके अविश्वास के कारण बहुत से सामर्थ्य के काम नहीं किए।" (मत्ती १३:५८)

"लेकिन, जैसे प्रभू येशूने मार्था से कहा, "क्या मैं ने तुझ से नहीं कहा था कि यदि तू विश्वास करेगी, तो परमेश्वर की महिमा को देखेगी।" (यूहन्ना ११:४०)

हकीकत तो यह है, कि येशू मनुष्य बने ताकि वे उन सारे लोगों को मुक्ति दिला सके जो पाप के द्वारा बंधी बन गये।

"इसलिये जब कि लड़के मांस और लहू के भागी हैं, तो वह आप भी उनके समान उनका सहभागी हो गया, ताकि मृत्युके द्वारा उसे जिसे मृत्यु पर शक्ति मिली थी, अर्थात् शैतान को निकम्मा कर दे; और जितने मृत्यु के भय के मारे जीवन भर दासत्व में फँसे थे, उन्हें छुड़ा ले। " (इब्रानियों २:१४–१५)

और एक शादनार वादा यह भी हैः

"उसी ने हमें मृत्यु के ऐसे बड़े संकट से बचाया, और बचाएगा; और उस पर हमारी यह आशा है, कि वह आगे भी बचाता रहेगा।" (२ कुरिन्थियों १:१०)

एक और वादाः

"तुम सत्य को जानोगे, और सत्य तुम्हें स्वतंत्र करेगा।" (यूहन्ना ८:३२)

पिलातुस ने येशू से एक ही बार पूछा, "सत्य क्या है?" (यूहन्ना १८:३८) परंतु अगर वह जवाब की प्रतिक्षा करता तो शायद उसे वही जवाब मिलता जो थोमस को दिया गया था...

"मार्ग और सत्य और जीवन मैं ही हूँ; कोई भी मेरे बिना पिता के पास नहीं पहुँच सकता, परंतु केलव मेरे द्वारा। (यूहन्ना १४:६)

'सत्य' 'येशू' ही है, और येशू लोगों को स्वतंत्र करता है! इसलिए उनके वादों को माँगों, और उनपर भरोसा करो कि वे उन्हें जरुर पूरा करेंगे।

– बहन लिनेट मेरगुल्याओं

आपकी इच्छा होने दो

आपकी इच्छा होने दो

इस परिकल्पना पर विचार करें: आप एक तेज रफ्तार गाड़ी खरीदना चाहते हो। आप एक स्पोर्ट्स कार कंपनी के सीईओ के आफिस में जाते हो और उस से कहते हो कि वे गाड़ी के पैसे भरने मे आपकी सहायता करें। इसकी संभावना क्या होगी? शून्य, है ना? क्या वो मानेगा? गुंजाईश है, कि आपको ठीक उस रफ्तार से लात मारकर बाहर निकाला जाएगा, जिस रफ्तार से वह गाड़ी चलती हो। लेकिन एक सेकंड रुको। क्या होता अगर तुम सीईओ के बेटे होते? तब क्या? तो आपके बिना कुछ बोले ही जल्द से जल्द मंजूरी दी जाती। कोई भी सवाल पूछा नहीं जाता। क्यों? क्योंकि रिश्ते मायने रखते है।

उसी तरह, अगर आपका रिश्ता येशू के साथ एकदम मजबूत है, तो आप कुछ भी माँगों और वह आपको दिया जाएगा, हो सकता है, आप माँगने से पहले ही। (यूहन्ना १४:१२–१४)

तो यह सब आप पर निर्भर है, आप देखो। हमारे स्वर्गीय पिता प्रार्थना का जवाबदेनेवाले परमेश्वर है। यदि आपकी प्रार्थनाओं का जवाब नहीं मिल रहा हैं, तो अपने बंद कमरे में बैठो और पूछों क्यों? ज्यादातर हमारी खुद की ही अनैतिकता और पाप एक दीवार बनती है और हमे अपने रचैता से दूर करती है।

जैसे यशायाह की किताब कहती है: "यहोवा के हाथ इतने छोटे नहीं हो गये है, कि उद्धार न कर सके; न वह बहिरे हो गये है कि सुन न सके। परंतु तुम्हारे अधर्म के कामों ने तुम को तुम्हारे परमेश्वर से अलग कर दिया है, और तुम्हारे पापों के कारण उसका मुँह तुम से ऐसा छिपा है कि वह नहीं सुनता।" (यशायाह ५९:१–२)

अगर ऐसा है, तो अब समय आ गया है कि आप उस दीवार को टोड़ना शुरु करे हो। इसमे कोई संदेह नहीं कि दूसरे ओर हरियाली घास है और आप उसे खोना नहीं चाहते।

यह जान लो: हम सभी एक नई उंचाई पर उभर सकते है, और यह मुमकिन है। और सबसे अच्छी बात यह है, कि परमेश्वर भी यही चाहते है। इस ब्रह्माण्ड की सर्वसामर्थ्यशील शक्ति हमारी तरफ है, एक उत्सुक मित्र से भी बडकर, जो हमेशा हमारी मदद के लिए तैयार है। हमे केवल इतना ही करना है, हमे कहना है, "हाँ! प्रभू, ऐसा ही होने दा। मेरे साथ आपके पवित्र और सिद्ध इच्छा के अनुसार हो जाए।"

– संपादकीय डेस्क

Get all the Latest Updates

from BMM at the touch of a button.

Download the BMM app

on your phone - Today!

Available on

Google play

App Store

Let the children come...

He said to them, "let the little children
come to me, and do not hinder them,
for the kingdom of God belongs to such as these,"
Mark 10:14b (NIV)

Across

3.Bringing happiness, pleasure, or contentment to someone
4. Small in size
6. Sons and daughters, young people
7. The part of the body which connects the hands to the shoulders

Down

1. A statement accepted as fact
2. A country or territory ruled by a king or queen
3. To be a member of a group, such as a club or organization
5. To come in contect with or to feel with your fingers

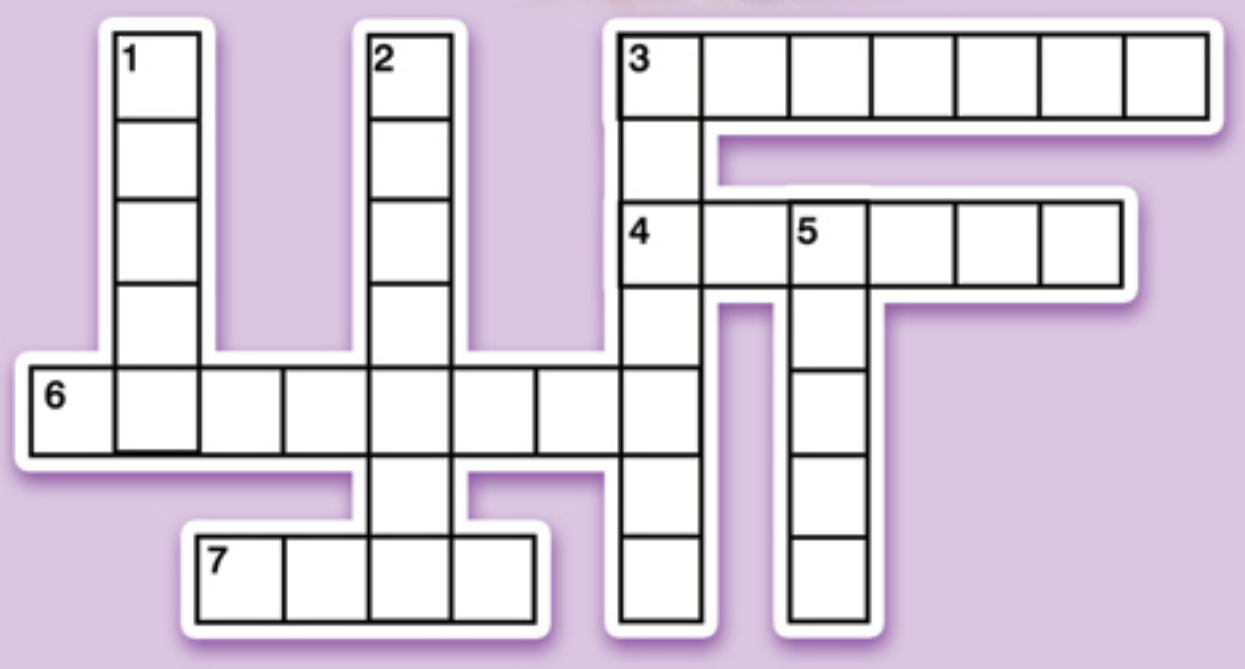

Little Touch Kingdom Arms Children Truth Belongs Blessed

खुद ही फैसला करो!

हर एक मनुष्य को अच्छा और बुरा समय देखने के लिए बनाया गया है,
लेकिन क्या वह केवल अच्छे समय में ही अच्छे रहेंगे,
और बुरे समय में बुरे बन जाएंगे है?
(सभोपदेशक ३:१२ - मैंने जान लिया है कि मनष्य के लिये आनंद करने
और जीवन भर भलाई करने के सिवाय, और कुछ भी अच्छा नहीं।)

हर एक मनुष्य प्यार और नफरत अनुभव करता है,
लेकिन क्या वह केवल प्यार करनेवालों से ही प्यार करता है
और नफरत करनेवालों से नफरत करता है?
(मत्ती ५:४६ - यदि तुम अपने प्रेम रखनेवालों ही से प्रेम रखो, तो तुम्हारे
लिये क्या फल होगा?)

हर एक मनुष्य को खुशी और शोक मनाने का अवसर दिया जाता है,
लेकिन क्या वह केवल उसकी खुशियों के समय ही खुश रहता है
और उसके शोक के दिनों में, लंबे समय तक शोक मनाता है?
(२ शमूएल १२:२३ - परंतु अब वह मर गया, फिर मैं उपवास क्यों करुँ?
क्या मैं उसे वापस ला सकता हूँ?)

मनुष्य को जीवन का आनंद लेने की पुरी आजादी दी गयी है,
यह सब उसपर निर्भर है, कि वह
हंसे या रोए, प्यार करें या नफरत, अच्छे बने या बुरे।
अंत में, जैसा मनुष्य चाहता है, वैसा ही फैसला करता है और प्रतिक्रिया करता है।
इसलिए, उसे फैसला करने दो कि क्या सही है और उसी में आनंदीत रहने दो
यह अच्छे से जानते हुए, कि परमेश्वरने उसे जीवन का आनंद लेने के लिए रचा है।
(सभोपदेशक ७:१४ - सुख के दिन सुख मना, और दुःख के दिन सोच; क्योंकि
परमेश्वर ने दोनों को एक ही संग रखा है।)
(सभोपदेशक ११:८ - यदि मनुष्य बहुत वर्ष जीवित रहे, तो उन सभों में आनंदित
रहे।)

-ब्रेंडा डायस

गवाहियाँ

ग वा हि याँ

मेरे गर्भशय में फाईब्रॉइड था और मेरा आपरेशन होनेवाला था। लेकिन मैने आपरेशन करवाने में देरी की और मुझपर जो इलाज हो रहा था उसे भी नजर अंदाज कर रही थी, क्योंकि मैं परमेश्वर से एक उचित तारिख पाने के लिए रुकी थी। आखिर मेरे पति मुझे जांच के लिए ले गए और हमे यह पता चला कि आपरेशन की कोई जरुरत नहीं है। सोनोग्राफी की रिर्पोट भी यही दिखा रही थी, कि कोई फाईब्रॉइड नहीं है। मै प्रभू येशू, ब्रदर मैन्युएल, ब्रदर मैन्युएल मिनिस्ट्रिज, सिस्टर लिनेट और उन सभी का धन्यवाद करती हूँ, जिन्होंने मेरे लिए प्रार्थना की।

–सैंड्रा थॉमस

मुझे इस सेवकाई में आकर ७ साल हुए। मुझे स्पोन्डिलाइटिस था और मेरे सिर के दाई ओर और दाहिने कान में ऐंठन (क्रैम्प) आती थी, इस कारण मै फोन भी इस्तेमाल नहीं कर पा रही थी। उपवास के दौरान मैं डॉक्टर के पास जांच के लिए गई, उसने मुझे २० दिनों के लिए दवाई दी। मै ने उसमें से कुछ गोलिया खाई और परमेश्वर से मुझे चंगा करने कहा। सिस्टर लिनेटने मेरे लिए प्रार्थना की और मध्यस्थि भी की। धीरे से मेरा सिर दर्द और कान का दर्द बंद हो गाया, और स्पोन्डिलाइटिस की समस्या भी कम हो गयी। मुझे केवल इतना कहना है, 'धन्यवाद, येशू' और 'धन्यवाद, ब्रदर मैन्युएल और सिस्टर लिनेट'।

–रोहिणी तांबे

अगस्त के महीने में मेरी दुर्घटना हुई थी, जिसकी वजह से मेरे कंधे की हड्डी टूट गई थी। मै आपरेशन करवानेवाली थी। ब्रदर मैन्युएलने मेरे लिए प्रार्थना की और मुझे परमेश्वर पर प्रतिक्षा करने की सलाह दी और साथ ही एक डॉक्टर का नाम भी सुझाया। तब से, मुझे मेरे कंधे में या फिर शरीर के किसी भी भाग में कोई दर्द नहीं है। मुझे चंगाई देने के लिए मैं प्रभू का धन्यवाद करती हूँ, और मेरा ये यकिन है, कि ये दुर्घटना जो मेरे साथ हुई इसके पिछे एक कारण था... हो सकता है, क्योंकि मै आज्ञाकारी नहीं थी। अब मैने गहनों का व्यवसाय शुरु किया है। मेरा परिवार हमेशा ब्रदर मैन्युएल की बात मानता है। हम कई उतार चढ़ाव से गुजरे लेकिन वे हमेशा हमारे सहयोगी रहे है। वे सख्त दिखते है, लेकिन है नहीं, कभी कभी होना पड़ता है, फिर भी। हमारे जीवन में उनकी उपस्थिति सचमुच अदभुत है।

–पर्ल पारेख

मेरे सीने में, हाथ और पेट में दर्द था और मैं इस उलझन में था कि क्या यह कोई बीमारी है या फिर मेरी सोच। एक लंबे अरसे के बाद, मै डॉक्टर के पास अपनी जाँच के लिए गया। इसके बारे में मैने ब्रदर मैन्युएल को बताया और उन्होंने कहा कि तुम किसी बात की चिंता मत करो। रिर्पोट नोर्मल थे, डॉक्टरने कहा कि यह केवल मामूली ऐसिडिटी थी और जो दर्द था वह भी गायब हो गया। १ जनवरी को बीज बोने के बाद, मेरी पत्नी जो बेरोजगार थी, उसे हमारे घर के करीब एक मल्टीनैशनल कंपनी में बहुत ही बढिया नौकरी मिली। इस सेवकाई में आने के बाद हमें बच्चे हुए और हमारे जीवन के हर एक पहलू में हम आशिर्वादित हुए। बीज बोना भी मैने यही आ कर सीखा। मुझे आशिर्वादित करने के लिए मै परमेश्वर का धन्यवाद करता हूँ और साथ ही हमे प्रार्थना में रखने के लिए मै ब्रदर मैन्युएल और इस सेवकाई का भी धन्यवाद करता हूँ।

–विलियम परेरा

रिट्रिट & शुभसमाचार घोषणा

गोवा शुभसमाचार घोषणा

अप्रैल १०-११ २०१५ & जून २०-२१ २०१५

मुख्यकार्यालय
एस-4, ब्ल्यु नाइल अर्पाटमेन्ट्स
सी. एच. एस.लिमीटेड
प्लॉट नंबर ३९, वरोडा रोड
बांद्रा (पश्चिम), मुंबई-४०००५०,
भारत

भारत
पी.ओ. बोक्स १६६५५
मुबई - ४०००५०, भारत
बुधवार कि प्रार्थना सभा
अधिक जानकारी के लिये कॉल करे +९१ ६५००९७०१ / ०२

Live in the Spirit
BRO. MANUEL MINISTRIES

Printed at Jyoti Printers